बुधवार
22 मई 2024

पृष्ठ 4
गर्मियों में इंटरमिटेंट फास्टिंग का पालन...

पृष्ठ 5
जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 112
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

अंग्रेजी माध्यम भारतीय शिक्षा में सबसे बड़ा विघ्न है। सभ्य संसार के किसी भी जन समुदाय की शिक्षा का माध्यम विदेशी भाषा नहीं है।
—महामना मदनमोहन मालवीय

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ऑनलाइन पंजीकरण में हुई श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी

हमारे संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा के लिए कराये गये आनलाइन पंजीकरण में हैदराबाद के श्रद्धालुओं के साथ धोखाधड़ी का मामला सामने आया हैं। जांच के दौरान सामने आये फर्जीवाड़े के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज ऋषिकेश क्षेत्रान्तर्गत खांड गांव में बनाये गये रजिस्ट्रेशन चैकिंग सेन्टर का एसएसपी देहरादून द्वारा निरीक्षण किया गया, इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा अधीनस्थ अधिकारियों के साथ चारधाम यात्रा पर आये यात्रियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चैक करने के दौरान हैदराबाद से चारधाम यात्रा पर आये 11 सदस्यीय यात्रियों के दल के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन में कूटरचना कर व तारीखो में हेरफेर किया जाना सामने आया। जिसके सम्बंध में दल की एक सदस्य मुक्कावली साई भ्रमर मधुरिया, निवासी श्रीनिवासा नगर बैंक कॉलोनी, विजयवाडा आंध्र प्रदेश ने बताया कि उनके द्वारा चारधाम यात्रा हेतु कुल 11 लोगों का जनकपुरी दिल्ली से ऑनलाइन पैकेज बुक किया गया था, जिसके संबंध में उनके द्वारा कंपनी के कर्मचारी कुमकुम वर्मा तथा डायरेक्टर ऋषि राज से फोन

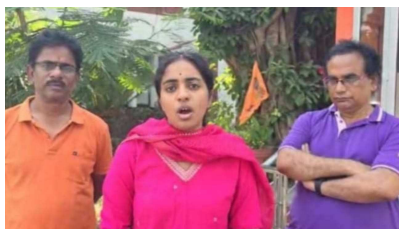

के माध्यम से वार्ता की गई थी, जिनके द्वारा उनके 11 सदस्यीय दल का चारधाम यात्रा के लिये रजिस्ट्रेशन एवं ठहरने आदि की व्यवस्था करने का आश्वासन देते हुए उसके एवज में उनसे 2 लाख 33 हजार रूपये लिये गये थे तथा बताया गया था कि चारधाम यात्रा के लिये उन सभी का दिनांक 25 मई 2024 से 30 मई 2024 के बीच का रजिस्ट्रेशन उनके द्वारा कराया जायेगा। बताया कि आज उन लोगों को कुमकुम वर्मा द्वारा व्हाट्सएप के माध्यम से रजिस्ट्रेशन की पीडीएफ भेजी गई थी, जिसे लेकर वे सभी चारधाम यात्रा के लिये आज ऋषिकेश आये थे।

पुलिस द्वारा उक्त यात्रियों के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन चैक करने पर पता चला कि उनके रजिस्ट्रेशन की वास्तविक तारीख 1 जून से 10 जून तक है। यात्रियों के साथ हुई धोखधडी के सम्बंध में एसएसपी देहरादून द्वारा तत्काल सम्बन्धित ट्रैवल एजेंसी संचालक के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये, जिस पर दल की सदस्य मुक्कावली साई भ्रमर मधुरिया, निवासी श्रीनिवासा नगर बैंक कॉलोनी, विजयवाडा आंध्र प्रदेश की ओर से धोखाधडी के सम्बंध में दी गई तहरीर पर कोतवाली ऋषिकेश में सम्बन्धित ट्रैवल एजेंसी के खिलाफ धारा 420 468, 120 बी भादवि के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया है। साथ ही प्रशासन के सहयोग से हैदराबाद से आये दल के चारो धामो के दर्शन हेतु आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित की गई, जिस पर दल के सभी सदस्यों द्वारा पुलिस के मित्रवत व सहयोगात्मक व्यवहार की प्रशांसा की गयी है।

मलिन बस्तियों पर सियासी संग्राम तेज, समाधान किसी के पास नहीं

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बसी अनियमित बस्तियों के खिलाफ जब भी किसी बड़ी कार्रवाई की बात होती है तो इस मुद्दे पर राजनीतिक महासंग्राम छिड़ जाता है। एनजीटी द्वारा इन बस्तियों को हटाने के लिए नोटिस भेजे जाने के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक रंग लेता जा रहा है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि इतने लंबे समय से जो लोग इन बस्तियों में रह रहे हैं उन्हें वह किसी भी कीमत पर उजड़ने नहीं देंगे।

इस मुद्दे को लेकर आज कांग्रेस नेता सूर्यकांत धस्माना और महानगर अध्यक्ष जसविंदर जोगी के

❑कांग्रेसियों ने किया नगर निगम कूच, मालिकाना हक देने की मांग को सौंपा ज्ञापन

नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओ ने नगर निगम कूच किया उनकी मांग है कि सरकार इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को मलिकाना अधिकार दे।

कांग्रेस का आरोप है कि सरकार इन बस्तियों में रहने वाले लोगों को उजाड़ना चाहती है लेकिन कांग्रेस उनकी लड़ाई पहले भी लड़ती रही है और आगे भी लड़की रहेगी। उधर इस मुद्दे का समाधान निकालने के प्रयास भाजपा द्वारा भी किए जा रहे हैं। क्योंकि निकाय चुनाव सर पर है जिनमें मलिन बस्तियों के मालिकाना हक का मुद्दा एक बड़ा मुद्दा रहता है। इसलिए भाजपा के क्षेत्रीय विधायक और पार्षद भी इस मामले का समुचित समाधान ढूंढ रहे हैं ठीक वैसे ही जैसे 2018 में सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर इन बस्तियों में बुलडोजर चलाये जाने से रोका गया था।

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करुंगी, क्योंकि सच मेरे साथ है: स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद व पूर्व दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट कर नई जानकारी साझा की है। स्वाति ने अपने पोस्ट में बताया कि उन्हें बीती रात एक

बड़े नेता का फोन आया। फोन पर उसने मुझे बताया कि यहां बहुत ज्यादा दबाव है, यहां जिम्मेदारी दी गई है कि मेरे खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं, मेरी पर्सनल फोटोज लीक करवाकर मुझे तोड़ना है। आम आदमी पार्टी में कहा गया है जो मुझे सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल दिया जाएगा। इसलिए किसी को पीसी करने की और किसी को ट्वीट्स करने की ड्यूटी मिली है। किसी की ड्यूटी है अमरीका में बैठे वॉलंटियर्स को फोन करके मेरे खिलाफ कुछ निकलवाना। आरोपी के कुछ करीबी बीट रिपोर्टर्स की ड्यूटी है कुछ फर्जी स्टिंग ऑपरेशन बनाकर लाओ। स्वाति ने कहा कि तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी क्योंकि सच मेरे साथ है। स्वाति मालीवाल ने कहा कि मुझे इनसे कोई नाराजगी नहीं है, आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। मैं किसी से उम्मीद भी नहीं करती।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 पर फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिका खारिज की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने को वैध ठहराने वाले संविधान पीठ के फैसले के खिलाफ दायर समीक्षा याचिकाओं को खारिज कर दिया है। सीजेआई डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्य्यक्षता वाली पीठ ने कहा, ष्समीक्षा याचिकाओं पर गौर करने के बाद पाया गया कि रिकॉर्ड पर स्पष्ट रूप से कोई त्रुटि नहीं है। 5 जजों की पीठ में जस्टिस संजीव खन्ना, बी.आर. गवई, सूर्यकांत, और ए.एस. बोप्पना भी शामिल थे। पीठ ने समीक्षा याचिका को खुली अदालत में सूचीबद्ध करने और व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने और बहस करने की अनुमति मांगने वाले आवेदनों को खारिज कर दिया। 11 दिसंबर को दिए गए फैसले

में सीजेआई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने संविधान के अनुच्छेद 3 (ए) के तहत लद्दाख को दिए गए केंद्र शासित प्रदेश का दर्जा बरकरार रखा था। हालांकि, इसमें इस सवाल पर चर्चा नहीं की गई कि क्या संसद किसी राज्य को एक या अधिक केंद्र शासित प्रदेशों में बदलकर राज्य के चरित्र को खत्म कर सकती है।

शीर्ष अदालत ने कहा था, ष्सॉलिसिटर जनरल की इस दलील के मद्देनजर कि जम्मू-कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, हमें यह तय करना जरूरी नहीं लगता कि जम्मू-कश्मीर राज्य का पुनर्गठन दो केंद्र शासित प्रदेशों लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में किया जाए या नहीं, क्योंकि अनुच्छेद 3 के तहत इसकी अनुमति है।ष इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राष्ट्रपति के पास यह घोषणा करने या अधिसूचना जारी करने की शक्ति है कि जम्मू-कश्मीर की विधानसभा के भंग होने के बाद भी अनुच्छेद 370 का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। इसमें कहा गया है कि ऐतिहासिक संदर्भ को देखते हुए अनुच्छेद 370 एक अस्थायी प्रावधान था।

दून वैली मेल

संपादकीय

राजस्व पुलिस समाप्त करने के आदेश

उत्तराखंड राज्य गठन को दो दशक से अधिक का समय हो चुका है। राज्य गठन के बाद तमाम सारे मुद्दे ऐसे हैं जिन पर सरकारों को फैसला बहुत पहले करने की जरूरत थी लेकिन सरकारों ने उन सभी मुद्दों को लटकाए रखकर उन्हें राजनीतिक मुद्दा बनाए रखा गया है। बात चाहे राज्य की स्थाई राजधानी की हो अथवा मूल निवास की अथवा मलिन बस्तियों के नियमित कारण या राजस्व पुलिस व्यवस्था की। अब तक की सरकारों ने ऐसे तमाम मुद्दों के समाधान के लिए कभी गंभीरता से आगे बढ़ने का प्रयास नहीं किया गया है। खास बात यह है कि कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक ने दिशा निर्देश जारी किए हैं लेकिन सत्ता में बैठे लोगों ने उन पर अमल करने की बजाय उनसे कैसे बचा जा सकता है? उसके नए-नए तरीके खोजने का काम भी बखूबी किया गया है। राज्य में अंग्रेजों के समय से जारी राजस्व पुलिस व्यवस्था को अभी तक अस्तित्व में बनाए रखना इसका एक बढ़िया उदाहरण है। 2004 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा अपने आदेश में कहा गया था कि राजस्व पुलिस के पास आधुनिक संसाधनों का अभाव है उसके पास न कंप्यूटर है न खून और डीएनए तथा विसरा परीक्षण के लिए फोरेंसिक जांच की सुविधाएं हैं और न ही अपराध नियंत्रण की आधुनिक तकनीक, यहां तक की राजस्व पुलिस के पास आधुनिक हथियार और संसाधनों से लेकर उनके पास प्रशिक्षण तक की समुचित व्यवस्था नहीं है लेकिन इसके बावजूद भी राजस्व पुलिस अस्तित्व में बनी हुई है जिसका कोई औचित्य नहीं है। इसके साथ ही एक राज्य में दो तरह की पुलिस व्यवस्था नहीं होनी चाहिए जैसी बात कहकर इसे समाप्त करने और उसकी जगह रेगुलर पुलिस व्यवस्था करने की बात कही गई थी लेकिन 20 साल बाद भी राज्य के कुछ हिस्सों में राजस्व पुलिस अस्तित्व में बनी हुई है। बात अगर राजस्व पुलिस की कार्य प्रणाली की करें तो अभी खबरों की सुर्खियों में रहने वाले अंकिता भंडारी हत्याकांड में राजस्व पुलिस क्या काम करती है और कैसा काम करती है इसकी हकीकत हम सभी ने देखी थी। इस बड़े आपराधिक मामले में राजस्व पुलिस की आरोपी पक्ष के साथ दोस्ती और उन्हें बचाने के लिए किए गए प्रयासों पर खूब हंगामा हुआ था। जिसके बाद राजस्व पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही हुई और इसकी जांच रेगुलर पुलिस को सौंपी गई। बीते कल नैनीताल हाई कोर्ट द्वारा राजस्व पुलिस को राज्य से पूरी तरह समाप्त करने के आदेश दिए गए हैं। हाईकोर्ट ने सरकार को इसके लिए एक साल का समय दिया है। धामी सरकार ने अंकिता हत्याकांड के बाद 2022 में 6 नये पुलिस थाने और 20 चौकिया खोली थी तथा कुछ भागों से राजस्व पुलिस की व्यवस्था को समाप्त किया गया था लेकिन उसके बाद फिर मामला रुक गया। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 2018 में भी हाईकोर्ट ने सख्त निर्देश दिए थे। सवाल यह है कि सरकार हीला हवाली क्यों कर रही है क्यों इस बेकार व्यवस्था को जल्द समाप्त करने के प्रयास नहीं किये जा रहे हैं। अगर राज्य के सिर्फ दो फीसदी हिस्से में ही राजस्व पुलिस शेष बची है तो इसे भी जल्द समाप्त क्यों नहीं किया जा रहा है। हाईकोर्ट द्वारा अब सरकार को एक बार फिर आदेश दिए गए हैं कि एक साल के अंदर राजस्व पुलिस व्यवस्था को पूरी तरह समाप्त कर पूरे राज्य में रेगुलर पुलिस व्यवस्था बहाल की जाए। देखना है कि सरकार इस पर कब तक अमल कर पाती है या अभी भी इसे लटकाए रखा जाता है।

निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 21 जून से

देहरादून (सं)। दून योग पीठ की दोनों शाखाओं पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून से एक माह के लिए निःशुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आज यहां दून योग पीठ देहरादून के संस्थापक आचार्य डा. बिपिन जोशी ने बताया कि दून योग पीठ देहरादून की दोनो शाखाओं में 1 जून से 30 जून तक सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों, योग प्रोफेशनल और योग साधकों के लिए निःशुल्क विशेष योगा डे प्रोटोकाल शिविर आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लोग सिर्फ औपचारिकता के लिए 21 जून को योग ना करें बल्कि योग और ध्यान को जीवन का अंग बनाएं और स्वस्थ्य रहें साथ ही योग दिवस प्रोटोकाल के साथ एकरूपता से सभी लोग योग कर सकें। इस मंगल भावना के साथ यह शिविर आयोजित किया जा रहा है। जोशी ने बताया एक जून से सम्पूर्ण देहरादून में योग जनजागरण अभियान बृहद रूप से चलाया जाएगा ताकि जन जन योग करे। एक जून से दून योग पीठ की दोनो शाखाओं में बच्चों के लिए विशेष योग समर कैंप भी आयोजित किया जा रहा है सभी साधकों को अंतराष्ट्रीय योग दिवस 2024 का प्रशस्ति पत्र भी दिया जायेगा। दून योग पीठ हाथीबड़कला शाखा न्यू कैंट रोड हाथीबड़कला, एस बी आई ए टी एम के पास, गढ़ी कैंट शाखा पोस्ट ऑफिस गढ़ी कैंट के पास केनरा बैंक के ऊपर है।

इदं पितृभ्यो नमो अस्त्वद्य ये पूर्वासो य उपरास ईयुः।
ये पार्थिवे रजस्या निषत्ता ये वा नूनं सुवृजनासु विक्षु।।
(ऋग्वेद १०-१५-२)

हम पूर्ण ज्ञान वाले और न्यून ज्ञान वाले दोनों प्रकार के पितरों को नमन करते हैं। इस पृथ्वी के उत्तम विद्वान जिनका हमारे ऊपर प्रभाव है उन्हें हम नमन करते हैं। हम विदुषी प्रजा को भी नमन करते हैं।

विकास मेरे शहर का !

पिछली स्याही के आगे का हिस्सा (भाग पांचवां जारी)

●नरेन्द्र कठैत

इस बार परिजनों के साथ गांव के अन्य बुजुर्गों ने साथ दिया। और पिता को समझाया- 'आप जब तक घर पर रहें रह सकते हैं। लेकिन आप इस बालक का भविष्य बर्बाद न करें। आपके यूं बार-बार आधे रास्ते से लौटने से इस बालक की पढ़ाई का नुकसान हो रहा है। ये बच्चा होनहार है। इसे पढ़ने दें।' यह सुनकर पिता जैसे मूर्छा से जागे। उनकी आंखों से अश्रुधारा निकल पड़ी। बालक भगवती को गले लगा लिया। और रोते -रोते कहा- 'भगवती बेटा! कल हर हाल में चलना है दिल्ली! अब रुकना नहीं!' इस प्रकार इन तमाम विघ्न वाधाओं को पार करते हुए बालक भगवती दिल्ली पहुंच सके। और वे अध्ययन जारी रख सके। और गढ़वाली भाषा के लिए बहुत कुछ कर गए।

बंधुओं! बालक भगवती की तरह ही पौड़ी के बस अड्डे का 'विकास' भी लम्बे समय तक बस अड्डे पर ही रुका रहा। थोडा खड़-खड़ करता, सबको लगता अब बढ़ने वाला है। लेकिन फिर ठहर जाता। एक दिन ठीक इसी बस अड्डे से होकर गुजर रहा था। वहीं खड़े एक पत्रकार मित्र ने रोका । और पूछा- 'भैजी आपका इस बस अड्डे के 'विकास' के बारे में क्या कहना है? मैंने कहा- 'मित्रवर

! इस बस अड्डे का 'विकास' हमारे कहने ने नहीं होना है। ये सब 'विकास' की सदिच्छा से ही होना है। और ये 'विकास' की सदइच्छा का ही परिणाम रहा कि आखिर बस अड्डे का रूका काम पूरा हुआ। लेकिन फिर भी किसी ने यह नहीं कहा कि 'विकास' हुआ। जब भी चर्चा में कहीं 'विकास' का नाम आया- सबने यही कहा -'अरे किसी का लड़का हुआ है। उन्होंने उसका नाम 'विकास' रखा है!' ऐसा लगता है सारा शहर ही जैसे 'विकास' नाम से ही चिढ़ा हुआ है।

मेरे एक मित्र के बेटे का नाम भी 'विकास' है। वह पढ़ा लिखा है। बड़ा होशियार है। उसकी आंखों में भी हमने पौड़ी के 'विकास' के सपने देखें हैं। लेकिन 'विकास' नाम से उसे भी बड़ी चिढ़ है। जब भी उसे 'विकास' नाम से पुकारते हैं वो चिढ़ जाता है। कहता है मेरा नाम 'विकास' नहीं बेमिसाल है।

बंधुओं! 'विकास' बेमिसाल हो न हो -लेकिन ये शहर हर मामले में बेमिसाल रहा है। वो अलग बात है कि यह शहर आस-पास के चार गांवों पौड़ी, कांडई, च्वींचा और बैंज्वाड़ी की भूमि पर खड़ा है। लेकिन 'विकास' इनमें से किसी गांव का नाम नहीं लेता। वह हर जगह अपने बोर्ड टांग देता है। लेकिन हमारी आंखों के पटल पर इस शहर का हर एक दबा-ढका कतरा तैरता रहता है।

शहर के सबसे निचले हिस्से में है एक चौराहा। उसका नाम ही है- चौध रात अर्थात चौराहा! इससे क्या फर्क पड़ता है कि कहीं बोर्ड पर उसका नाम खुदा है -या नहीं खुदा । जानते हैं- वही है उसका अता- पता। वर्षों से देख रहे हैं इसके ठीक बीच में है- एक चबूतरा। और उस चबूतरे के ऊपर एक बिजली का खम्भा ।और- वह खम्भा कई तारों से जकड़ा हुआ।हालांकि पहले चबूतरे पर ये खम्भा भी नहीं रहा होगा। उसकी जगह ध्वजारोहण के लिए एक डंडा अवश्य रहा होगा। तब इस चबूतरे ने गणमान्य जनों और सभाओं का एक लम्बा दौर देखा होगा। लेकिन तब और अब के बीच इस चौराहे से होकर बहुत पानी गुजर चुका। कुछ बहा, कुछ रहा। लोग कहते हैं गनीमत है ये हमारी जुबान पर टिका रहा।

इसी चौराहे से एक राह कांडई, वींचा गांव की ओर बढ़ जाती है। तथा दूसरे छोर की राह एक लम्बी गली सी बस अड्डे की ओर बढ़ जाती है। एक पगडंडी नीचे मस्जिद की ओर सरकती है। और एक राह ऊंचाई की ओर अपर बाजार की ओर बढ़ती है। आम जुबान में ये पूरा दायरा लोअर बाजार है। और इसके सर पर सवार अपर बाजार ही इस शहर का मुख्य बाजार है। किंतु आज भी हमारे कई बुजुर्ग

हुक्का गुड़गुड़ाते हुए कहते हैं कि कभी जमाने में लोअर बाजार ही इस शहर की शान थी। लेकिन 'विकास' ने उस बाजार की वो शानो शौकत ही मिटा दी।

इस चौराहे के बाद यदि हम तिराहों की ही बात करें। तो दो तिराहे कलम की नोक पर आ गए। एक बस अड्डे के बाई ओर श्रीनगर और धारा रोड को जोड़ने वाला तिराहा। और दूसरा बस अड्डे के दाईं ओर कोटद्वार और देवप्रयाग को जोड़ने वाला। दोनों तिराहों पर बड़े तीखे मोड़ हैं। लेकिन वर्षों से अपनी जगह हैं। भले ही वहां कई 'विकास' के नाम पर कई बोर्ड टंगें हैं लेकिन 'विकास' ने किसी तिराहे का नाम नहीं रखा है। और बिना नाम के ही हम उन्हें आर- पार कर रहे थे।

किंतु- अभी हाल ही में एक मित्र ने मिलने को कहा। मैंने -'कहा जगह बता?'

उसने कहा -'टीचर बैंड' पर आ जा।

मैं अचरज में पड़ गया। पूछा -'भाई ये टीचर बैंड है कहां भला?'

उसने कहा- 'यार बस अड्डे के उधर कोटद्वार और देवप्रयाग को जोड़ने वाले तिराहे को टीचर बैंड कहते हैं। क्योंकि सायं काल सभी टीचर उसी बैंड पर मिलते हैं।'

शहर में और भी तिराहे हैं लेकिन सभी लोअर बाजार के चौराहे से ऊपर हैं। और आमद उस चौराहे से ज्यादा तिराहों पर है। फिर भी व्यापारी वर्ग खुश नहीं है। कहते हैं ग्राहक नहीं-व्यापार चौपट है। किंतु लोअर बाजार का व्यापारी दिनभर व्यस्त है। मस्त है। उसके पास लाठी-डंडा, हवन सामग्री, लोहा-लकड़, रंग वार्निश सब है। 'विकास' से चिढ़ने वाले तब भी कह देते हैं कि ये 'विकास' का नहीं उनका हुनर है।

एक बात और गौर करें! उस चौराहे से नीचे कोई तिराहा क्या - कोई सड़क भी नहीं है। मात्र राहें हैं या पगडंडियां हैं। आप सोचेंगे- ऐसा क्यों और कैसे?

असल में इस शहर की नींव रखने वाले हमारे पूर्वज प्रबुद्ध थे। और शहर की बसावट के प्रति व्यापक सोच रखते थे। उसी व्यापक सोच के अनुरूप उन्होंने ये चौराहा बनाया था। सुनते हैं -हमारे वे प्रबुद्ध जन चाहते थे कि भविष्य में जब भी इस शहर का 'विकास' हो तो वह इस चौराहे के चारों ओर से शुरू हो। लेकिन उनकी यह व्यापक सोच और यह विचार शहर के 'विकास' को रास नहीं आया। और उसने उनका प्रस्ताव ही ठुकरा दिया। वह तीन दिशाओं की ओर तो बढ़ गया लेकिन- नीचे की ओर सरकने के लिए बिल्कुल भी तैयार न हुआ।

आज शहर के इस मनमाने 'विकास' की सजा ये वीरान चौराहा और पौड़ी,कांडई,च्वींचा,बैंज्वाड़ी गांव के मूल निवासी भी भुगत रहे हैं।

कभी जमानों में बैंज्वाड़ी गांव से नीचे च्वींचा गांव की सरहद पर नरसिंग धारा में हमने दो पन चक्कियां देखी थी। दोनों खट-खट करती रात दिन चलती हुई। यहीं से गुजरती पौड़ी खंडाह श्रीनगर के पैदल मार्ग की राह किनारे एक चाय की दुकान भी थी। वहीं दुकान के पास रखे एक बड़े भारी भरकम चौकोर तराशे हुए पत्थर पर पहले बैठकर थकान मिटाने के लिए हमें अपनी चाल बढ़ानी पड़ती थी। लेकिन बैंज्वाड़ी गांव के सर पर सवार और जल स्रोतों के ऊपर खड़े विकास ने वो पन चक्कियां भी न चलने दी। बिन पानी के वे पन चक्कियां भी दम तोड़ गई। फिर कुछ वर्षों तक उस दुकान पर ताली जड़ी मिली। बाद में बिना मरम्मत के वह भी ढह गई। मरम्मत होती तो किसलिए? 'विकास' की नजर तो शहर के नीचे कभी भी कुछ रहा ही नहीं। अब रह गया था वहां-केवल वह भारी भरकम तराशा हुआ पत्थर ही। एक दिन देखा वह पत्थर वहां न था। नीचे मासौं, ऊपर च्वींचा में भी उसकी खोज खबर की-लेकिन वह तराशा हुआ पत्थर कहीं न दिखा। बहुत बाद में एक मित्र ने बताया- उस पत्थर को वहां से 'विकास' ले गया था। मालूम नहीं 'विकास' ने उससे अपना मकबरा बनाया या कहीं और बेचा। खैर 'विकास' से क्या बैर मोल लेना। आखिर रहना तो है उसके ही संग। उस पर भी कृपा दृष्टि बनाए हमारा ईष्ट देव नरसिंग!

'विकास' के बल पर ही लोअर बाजार के प्रतिष्ठान खड़े हुए। उनमें से कुछ चाय-पकोड़ी, कुछ मिष्ठान, कुछ राशन,कुछ बर्तन, कुछ कपड़े, एक आध पान, एक दो चूड़ी बिन्दी के व्यापारी जमे। 'विकास' के आशीर्वाद से वे खूब पनपे। और उनकी कृपा से अपर बाजार में बहुत विकास हुए हैं। लेकिन कुछ हैं जो आज भी टिके हुए हैं। अधिकांश अपना बोरिया बिस्तर समेट चुके हैं।

विकास यात्रा जारी है...

साभारः नरेन्द्र कठैत के फेसबुक पेज से

राजनीति में एआइ का खतरनाक हस्तक्षेप

उमेश चतुर्वेदी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के गलत इस्तेमाल को लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह का एक फेक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो कथित तौर पर शेयर करने के लिए कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। 'डीपफेक' वह प्रौद्योगिकी है, जिससे एक वीडियो में छेड़छाड़ कर किसी ऐसे व्यक्ति के चेहरे को फिट किया जाता है, जो उस वीडियो का हिस्सा ही नहीं होता। ऐसे वीडियो में असली और नकली का अंतर बता पाना मुश्किल होता है। इस फर्जी वीडियो में भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के आरक्षण अधिकारों को खत्म करने की घोषणा करते हुए कथित तौर पर नजर आ रहे हैं। फैक्ट चेक में ये वीडियो फेक साबित हुआ है।

भारत आजादी की हीरक जयंती मना चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से 2047 में देश के चहुंमुखी विकास की आये दिन बात करते हैं। लेकिन यह दुर्भाग्य ही है कि इन वर्षों में हमारी लोकतांत्रिक यात्रा को प्रौढ़ और कहीं बेहतर समझदार होना चाहिए था, लेकिन नहीं हो पायी। आज की राजनीति की ओर देखते हैं, तो विनोबा की एक पंक्ति याद आती है– चारों तरफ सुराख ही सुराख है। आज राजनीति के लिए सत्ता सबसे बड़ा लक्ष्य है, जिसे हासिल करने के लिए वह हर तरह के काम करने को

तैयार बैठी हैतो फेक बयान वाले वीडियो का मामला तकनीक की सीमाओं के विस्तार के साथ तकनीकी नैतिकता का सवाल भी उठाता है। इसे महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षिकता के सिद्धांत के जरिये समझ सकते हैं। अक्टूबर 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के आखिर में अमेरिका ने जापान के नागासाकी और हिरोशिमा पर जिन अणु बमों को गिराकर मानवता को भयंकर नारकीय चोट पहुंचायी थी, उनके निर्माण का आधार यही सिद्धांत था। तब आइंस्टीन ने कहा था कि अगर वे जानते कि उनकी खोज से ऐसा जनसंहार हो सकता है, तो वे इस खोज को दुनिया के सामने ही नहीं लाते। संविधान की शायद ही कोई किताब होगी, जिसमें नैतिकता का जिक्र हुआ है। इसके बावजूद गतिशील लोकतंत्र की बुनियादी शर्त नैतिकता और शुचिता को स्वीकार करना है। बेशक राजनीति दांव-पेंच का खेल है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था को सबसे बेहतर शासन व्यवस्था के रूप में स्वीकार किया गया है, पर हकीकत यह भी है कि दुनियाभर में सियासी फायदे के लिए दांव-पेंच किये जाते हैं। फिर भी न्यूनतम नैतिकता की उम्मीद की जाती है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से उपजी भारतीय राजनीतिक दुनिया की पहली पीढ़ी की नैतिकता, ईमानदारी और आचरण की पवित्रता से जुड़े तमाम किस्से हम सुनते-पढ़ते रहे हैं। सही मायने में हमारा लोक वृत्त यानी पब्लिक स्फीयर भी उन मूल्यों और आचरण की पवित्रता की बुनियाद पर तैयार हुआ है। दुर्भाग्य से आज की राजनीतिक पीढ़ी आचरण की पवित्रता, पेशेवर ईमानदारी और शुचिता के सिद्धांत को तिरोहित करती जा रही है।

गांधी जी की ओर जब हम देखते हैं, तो पाते हैं कि वे अक्सर नयी तकनीक का विरोध करते नजर आते हैं। उनका यह विरोध तकनीक के ऐसे ही नकारात्मक इस्तेमाल की आशंका के चलते था। यह आशंका रोजाना सही साबित हो रही है। सोशल मीडिया और सूचना क्रांति का जैसे-जैसे विस्तार होता गया, फेक न्यूज, फेक बयान, फेक नैरेटिव का भी विस्तार होता गया। लेकिन ज्यादातर मामलों में शरारती तत्व शामिल रहे। लेकिन एआइ के इस्तेमाल से राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित करने की शायद यह पहली कोशिश है। एआइ से तैयार की जाने वाली सूचनाओं और बयान आदि की खासियत है कि ये हूबहू लगते हैं, सही लगते हैं।

चूंकि मौजूदा दौर नैरेटिव को प्रसारित करने का है, वह गलत है या सही, यह बाद की बात है। अमित शाह का फेक बयान एआइ के जरिये तैयार कर प्रसारित करने का मकसद यह है कि जब तक उसका सच सामने आये, तब तक नकारात्मक असर फैल चुका होगा और लोग भाजपा से नाराज हो जायेंगे। जब तक भाजपा और अमित शाह सचेत होंगे, कार्रवाई होगी, तब तक देर हो चुकी होगी। फिर सफाई को कितने लोग सुनते हैं।

बहरहाल इस मामले की जांच हो रही है। पुलिस ने जिस तरह राजनीति की दुनिया की बड़ी हस्तियों को जांच में शामिल होने के लिए समन भेजा है, उसे लेकर राजनीति होने लगी है। अगर एआइ के इस बेजा और फेक इस्तेमाल में बड़ी मछलियां फंसी, तो भारतीय राजनीतिक इतिहास में एक बड़ा मामला होगा। राजनीतिक नैतिकता की गिरावट का भी यह बड़ा उदाहरण होगा। राजनीति की दुनिया नैतिकता की सबसे ज्यादा बात करती है। राजनीति ही कानूनों और नियमों का आधार बनाती है।

चूंकि फेक बयान के मामले में शक राजनीति पर ही है और प्रभावित राजनीति ही है, इसलिए उम्मीद की जानी चाहिए कि एआइ के उपयोग को वैधानिक दायरे में बांधने और उसे नैतिक बनाने की कानूनी कोशिश भी राजनीति करेगी। इस प्रकरण से एआइ का इस्तेमाल नियम संयत बनाने और इसके बेजा इस्तेमाल के लिए समुचित दंड के प्रावधान की जरूरत को बल मिलेगा। इस मामले ने जाहिर किया है कि तकनीक को काबू में रखने के साथ-साथ नैतिकता के दायरे में भी कसा जाना चाहिए। *(ये लेखक के निजी विचार हैं।)*

प्रभारी सचिव ने सोनप्रयाग तक सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण किया

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। स्वास्थ्य सचिव व प्रभारी सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने जनपद की सीमा सिरोहबगह से सोनप्रयाग तक सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य/प्रभारी सचिव यात्रा डॉ. आर राजेश कुमार ने जनपद की सीमा सिरोहबगड़ से लेकर सोनप्रयाग तक यातायात व्यवस्थाओं सहित विभिन्न विभागों द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। केदारनाथ धाम में पहुंच रहे श्रद्धालुओं के साथ अतिथि देवो भव: की परम्परा के तहत किया जाए स्वागत ताकि वह अपने साथ उत्तराखंड देवभूमि से सुखद अनुभव लेकर जाएं। केदारनाथ यात्रा के लिए जिला प्रशासन एवं विभिन्न विभागों द्वारा की जा रही व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का यात्रा से जुड़े अधिकारियों के साथ वर्चुअल माध्यम से बैठक कर समीक्षा करते हुए जानकारी प्राप्त की। श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने को पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों से ओवर रेटिंग न हो, इसके लिए उन्होंने खाद्य सुरक्षा विभाग को सभी दुकानों, होटल एवं रेस्टोरेंट व ढाबों में अनिवार्य रूप से रेट लिस्ट चस्पा करने के दिए हैं निर्देश। प्रभारी सचिव ने तीर्थ यात्रियों से वार्ता कर यात्रा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुव्यवस्थित ढंग से संचालित हो इसके लिए राज्य सरकार एवं जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं का जनपद भ्रमण पर पहुंचे सचिव स्वास्थ्य एवं प्रभारी सचिव यात्रा डॉ. आर राजेश कुमार ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के लिए यातायात व्यवस्था एवं पार्किंग व्यवस्था का उचित प्रबंधन किया जाए। सिरोहबगड़ से सोनप्रयाग तक विभिन्न यात्रा पडावों का सड़क मार्ग से निरीक्षण करते हुए उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग को निर्देश दिए हैं कि जो क्षेत्र स्लाडिंग जोन हैं उनमें जेसीबी मशीनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो तथा यात्रा मार्ग बाधित होने पर उसे तत्काल आवाजाही हेतु सुचारू किया जा सके। उन्होंने पार्किंग व्यवस्था के लिए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पार्किंग का उचित प्रबंधन किया गया है किंतु भारी संख्या में श्रद्धालुओं के निरंतर आने के कारण जगह-जगह स्थानों पर जाम की स्थिति बनी हुई है इसके लिए उन्होंने केदारनाथ यात्रा पड़ाव सीतापुर, सोनप्रयाग आदि स्थानों में पार्किंग फुल होने पर यातायात को पीछे ही रोका जाए ताकि जाम की स्थिति न होने पाए। यात्रा व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रभारी सचिव ने पाया कि जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा यात्रा व्यवस्थाओं के लिए की गई तैयारियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जो व्यवस्थाएं की गई हैं वह बेहतर हैं किंतु भारी संख्या में आ रहे श्रद्धालुओं के लिए व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं को और अधिक सुदृढ करना एक चुनौती है जिसके लिए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि यात्रा को सुगम एवं सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा सके। इस अवसर पर संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य डॉ. अमित शुक्ला, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मार्तोलिया, उपायुक्त खाद्य गढ़वाल आरएस रावत, जिला पर्यटन अधिकारी राहुल चौबे, अभिहीत अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल, जिला पूर्ति अधिकारी मनोज डोभाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

गांजे के साथ महिला गिरफ्तार

देहरादून (सं)। नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने मोथरोवाला पुल के पास एक महिला को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडी हुई। पुलिस ने थोडी दूर पीछा कर उसको पकड लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 593 ग्राम गांजा बरामद कर लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम मलेमो पत्नी महिलापाल निवासी सपेरा बस्ती बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

जंगलों में लगने वाली आग पर समिति ने चिन्ता व्यक्त की

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने जंगलों में आये दिन लगने वाली आग पर चिन्ता व्यक्त की।

आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने आज एक विज्ञप्ति जारी करते हुए प्रदेश के जंगलों में आए दिन लग रही आग पर गहरी चिंता प्रकट की। उन्होंने कहा कि जंगल जलने से इसका सीधा-सीधा असर पर्यावरण पर पड़ रहा है। जिस कारण पर्वतीय क्षेत्र का तापमान 40 डिग्री के करीब पहुंच रहा है जो की एक सोचनीय और विचारणीय विषय है। प्रभात डंडरियाल व सुरेश कुमार ने प्रदेश सरकार और प्रदेश के वन मंत्री सुबोध उनियाल से आशा प्रकट की कि वह अपने प्रयासों से जंगलों में जो आग लग रही है उसे बुझाने तथा जंगल में आग लगाने वालों पर रासुका लगवाएं ताकि कोई भी व्यक्ति इस प्रकार जंगल जलाने की हिम्मत ना कर सके।

तीर्थ यात्रियों का जिला प्रशासन की ओर से अतिथि देवो भवः की परम्परा से स्वागत

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। श्री केदारनाथ धाम के दर्शनार्थ आ रहे तीर्थ यात्रियों का जिला प्रशासन की ओर से अतिथि देवो भव: की परम्परा के साथ स्वागत किया गया।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट देश-विदेश के श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ 10 मई को खोल दिए गए हैं तथा 11 दिनों में ही केदारनाथ धाम में आस्था का जो सैलाब उमड़ रहा है उसने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। 20 मई को रिकॉर्ड 37,480 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए गए हैं जो अपने आप में एक बहुत बड़ी मिसाल है। अब तक 3,19,193 श्रद्धालुओं ने श्री केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं जो कि 11 दिनों में एक नया कीर्तिमान स्थापित हो गया है। केदारनाथ धाम में भारी संख्या में बाबा केदारनाथ के दर्शनों को पहुंच रहे श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम, सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा संपन्न हो। इसके लिए राज्य सरकार से लेकर जिला प्रशासन सभी सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं जुटाने में निरंतर प्रयासरत हैं एवं यात्रियों को सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

श्री केदारनाथ यात्रा पड़ाव फाटा, सोनप्रयाग एवं गौरीकुंड आदि क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ होने के कारण जिला प्रशासन की ओर से यात्रियों को अगस्त्यमुनि एवं अन्य स्थानों पर सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यात्रा को संचालित करने के दृष्टिगत श्रद्धालुओं को रोका जा रहा है। यात्रियों को रहने, खाने आदि की कोई असुविधा न हो इसके लिए जिलाधिकारी सौरभ गहरवार के निर्देशन में नगर पंचायत अगस्त्यमुनि द्वारा अतिथि देवो भव: की परम्परा एवं संस्कृति के अनुसार स्वागत करते हुए राजस्थान एवं मध्य प्रदेश से आए 263 तीर्थ यात्रियों को रहने एवं खाने-पीने का उचित प्रबंध न किया गया।

राजस्थान एवं मध्य प्रदेश से आए तीर्थ यात्रियों ने जिला प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए बहुत-बहुत आभार एवं धन्यवाद प्रकट किया। तीर्थ यात्रियों का कहना है कि हम केदारनाथ दर्शन करने जा रहे थे तथा प्रशासन द्वारा उन्हें अगस्त्यमुनि में रोका गया एवं प्रशासन द्वारा उनके रहने, खाने-पीने का उचित प्रबंधन किया गया। जिसके लिए उन्होंने उपलब्ध कराई गई सभी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए जिला प्रशासन का आभार जताया।

'राज्य को 2030 तक बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने का लिया संकल्प'

गैरसरकारी संगठन 'समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट' ने बाल विवाह पर नई दिल्ली में हुई कार्यशाला में लिया हिस्सा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान से जुड़े 22 राज्यों के 200 गैरसरकारी संगठनों ने 2024-25 के लिए रोडमैप पर की चर्चा। इस नए रोडमैप और इससे मिली ऊर्जा से 'समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट' अपने जिले और अंतत राज्य को 2030 तक बाल विवाह मुक्त बनाने के प्रति आश्वस्त है। कार्यशाला में मिले विचारों और उस पर अमल को उत्साहित दून में काम कर रहे 'समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट' आश्वस्त है कि वह जिले को और अंतत: राज्य को 2030 बाल विवाह मुक्त बनाएगा। बाल विवाह मुक्त भारत अभियान जमीनी स्तर पर 2022 में शुरू हुआ, जिसने अपनी पहुंच, प्रभाव और सहयोगियों के नेटवर्क में उल्लेखनीय विस्तार किया है। पिछले वर्ष तक अभियान के 161 सहयोगी संगठन देश के 17 राज्यों के 300 जिलों में काम कर रहे थे जबकि अब यह अभियान 22 राज्यों तक पहुंच चुका है। इनमें से ज्यादातर जिले ऐसे हैं जिन्हें बाल विवाह की ऊंची दर वाले जिलों के रूप में चिह्नित किया गया है। यद्यपि अभियान का मुख्य फोकस बाल विवाह पर है लेकिन यह बच्चों की ट्रैफिकिंग और बाल यौन शोषण जैसे बच्चों के सुरक्षा व संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर भी काम कर रहा है।

कार्यशाला में मिले अनुभवों के बारे में बात करते हुए समर्पण सोसाइटी फॉर हेल्थ रिसर्च एंड डेवलपमेंट के अध्यक्ष विपिन पंवार ने कहा, हमारे लिए यह गर्व की बात है कि बाल अधिकारों के लिए काम कर रहे हमारे जैसे तमाम संगठन बाल विवाह के खात्मे के साझा लक्ष्य के लिए साझा प्रयास कर रहे हैं। इस कार्यशाला में हमने इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए नए और लक्ष्य केंद्रित तरीके सीखे। इस नए रोडमैप के साथ हम जमीनी स्तर पर नए विचारों पर अमल में सक्षम होंगे एवं राज्य और अपने जिले में बाल विवाह के खिलाफ लड़ाई में उल्लेखनीय प्रगति करेंगे। बाल विवाह की कुरीति सदियों से जारी है लेकिन अब समय आ गया है जब इसे उखाड़ फेंका जाए। इस राष्ट्रीय कार्यशाला में चले मंथन के बाद 2024-25 के लिए अभियान के रोडमैप पर सहमति बनी जिसमें तय किया गया कि बच्चों के अधिकारों के संरक्षण में कानूनी दखल सबसे प्रभावी औजार है। इन गैरसरकारी संगठनों का उद्देश्य अपने जिलों में जिला प्रशासन और बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के साथ समन्वय से बाल विवाह के खिलाफ बने कानूनों पर अमल सुनिश्चित करना और जनजागरूकता अभियान चलानाए लोगों को बाल विवाह नहीं करने के लिए समझाना-बुझाना और कानूनी उपायों की मदद से बाल विवाह की रोकथाम करना है। इस अभियान के मूल में बाल विवाह के खात्मे के लिए प्रख्यात बाल अधिकार कार्यकर्ता भुवन ऋभु की बेस्टसेलर किताब 'व्हेन चिल्ड्रन हैव चिल्ड्रेन: टिपिंग प्वाइंट टू इंड चाइल्ड मैरेज' में सुझाई गई कार्य योजना है।

गर्मियों में पी रहे हैं इस तरह के ड्रिंक्स, तो हो जाएं थोड़ा सावधान

गर्मी के दौरान हम खाने से ज्यादा कुछ ठंडा और हेल्दी पीने की इच्छा रखते हैं, लेकिन बहुत से लोग इस बात से अंजान हैं कि कुछ ड्रिंक्स ऐसे हैं, जो हाइड्रेट रखने के बजाय शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं। जानें।

पैकेज्ड नारियल पानी एक तरफ जहां ताज़ा नारियल पानी फ़ायदों से भरपूर है, वहीं, दूसरी तरफ पैकेज्ड नारियल पानी उतना ही हानिकारक है, जिसे खाने से बचना चाहिए। क्योंकि इनमें चीनी और सोडियम की मात्रा होती है जो शरीर में पानी के स्तर को कम कर सकता है।

स्मूथीज़ कहा जाता है कि मिठास, फ्लेवर्ड दही या जूस के रूप में एक्स्ट्रा चीनी से भरपूर हाई-प्रोटीन स्मूदी में डिहाइड्रेट करने वाले प्रभाव होते हैं। गहरे रंग का यूरीन और अस्पष्ट थकान डिहाइड्रेशन के संकेत हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए।

एनर्जी ड्रिंक पैकेज्ड एनर्जी ड्रिंक्स में काफी ज्यादा मात्रा में कैफीन, चीनी और अन्य एनर्जेटिक पदार्थ होते हैं, जो शरीर को निर्जलित बनाते हैं।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स कोल्ड ड्रिंक और स्पार्कलिंग वॉटर जैसे कार्बोनेट ड्रिंक्स का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए। इन ड्रिंक्स के अत्यधिक सेवन से सूजन हो सकती है और शरीर भी डिहाइड्रेट हो सकता है।

चीनी युक्त ड्रिंक्स गर्मियों के महीनों के दौरान आमतौर पर पैक किए गए फ्रूट जूस और सोडा का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है, जिससे शरीर के टिशूज से पानी निकल जाता है और यह डिहाइड्रेशन को बढ़ावा देता है।

कैफीन चाय और कॉफी जैसे ड्रिंक्स भी डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं। जबकि कैफीन हल्के डाइयूरेटिक के रूप में काम करता है, लेकिन फिर भी यूरीन प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे डिहाइड्रेशन होता है।।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

गर्मियों में इंटरमिटेंट फास्टिंग का पालन करते समय इन बातों का रखें ध्यान

इंटरमिटेंट फास्टिंग सामान्य डाइट से अलग खाने का एक पैटर्न है और इससे वजन कम करने के साथ-साथ अन्य कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं।इसका पालन करने वाले अधिकतर लोग 16 घंटे उपवास रखते हैं, जबकि 8 घंटे खाना-पीना करते हैं।हालांकि, गर्मियों के दौरान इस पैटर्न को अपनाने वाले लोगों को डाइट में कुछ बदलाव करने चाहिए।आइए जानते हैं कि इंटरमिटेंट फास्टिंग को अपनाने वाले लोगों को गर्मियों में किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हाइड्रेशन का रखें ध्यान

गर्मियों में हाइड्रेशन का ध्यान रखान बहुत जरूरी है। भरपूर पानी का सेवन शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद कर सकता है और शरीर को हाइड्रेट रखकर कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकता है।गर्मियों के दौरान डिहाइड्रेशन एक आम समस्या है, जो थकान और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।इसलिए इंटरमिटेंट फास्टिंग वाले उपवास के बीच इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने के लिए स्वास्थ्यवर्धक तरल पदार्थों का सेवन करें।

मौसमी फल का करें सेवन

गर्मियों के दौरान बाजार में आने वाले फल तरबूज, खरबूजा और जामुन जैसे पानी से भरपूर फलों को डाइट में शामिल करना लाभदायक हो सकता है।इसका कारण है कि मौसमी फल बदलते मौसम की जटिलताओं से निपटने में मदद कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त इम्यूनिटी को बढ़ावा देने और पाचन क्रिया को स्वस्थ रख सकते हैं।यहां जानिए गर्मियों में आने वाले फलों से मिलने वाले फायदे।

पोषक तत्वों का होना चाहिए सही संतुलन

लोग अक्सर उपवास को खत्म करने के बाद बहुत कम खाते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है।इंटरमिटेंट फास्टिंग खाने के समय को प्रतिबंधित करने का तरीका है और इसका पूरा उद्देश्य खाने को सही तरह से पचाने के लिए पर्याप्त समय देना है।इसके अतिरिक्त आपके संतुलित आहार में फाइबर, प्रोटीन और विटामिन-

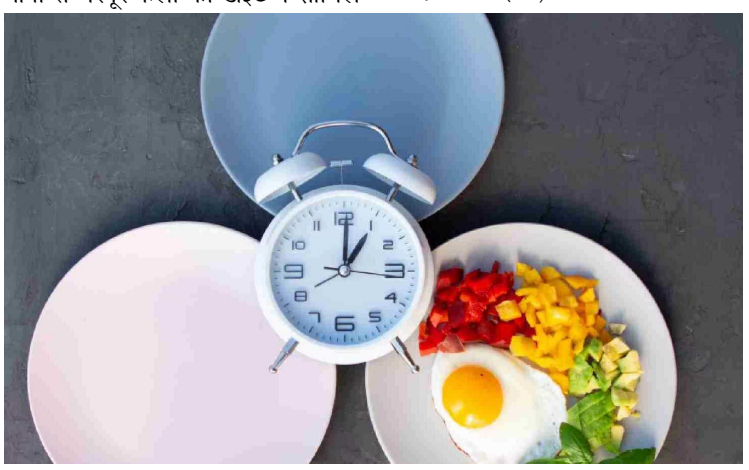

ष्ट जैसे पोषक तत्व जरूर होने चाहिए। ये पेट को लंबे समय भरा रखने और मांसपेशियों के निर्माण में मदद कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद भी करेगी मदद

इस बात का ध्यान रखना भी बहुत महत्वूर्ण है क्योंकि उपवास के दौरान नींद की कमी से शरीर के लिए वसा जलाना मुश्किल हो जाता है।रात को अच्छी नींद के लिए सही सर्कडियन लय बनाए रखना जरूरी होता है क्योंकि यह भूख और मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करने वाले हार्मोन को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।यहां जानिए नींद को बेहतर करने वाले खाद्य पदार्थ।

क्या कोई भी इंटरमिटेंट फास्टिंग का विकल्प चुन सकता है?

अधिकतर लोगों का मानना है कि कोई भी इंटरमिटेंट फास्टिंग का विकल्प चुन सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है।गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं के लिए इंटरमिटेंट फास्टिंग को चुनना सही नहीं है क्योंकि शिशु के पर्याप्त विकास के लिए उन्हें नियमित रूप से उचित मात्रा में कैलोरी की आवश्यकता होती है, जो कि इंटरमिटेंट फास्टिंग से नहीं मिल सकती है।इसके अतिरिक्त बच्चों के लिए भी इंटरमिटेंट फास्टिंग सही नहीं है।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -87

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. चौड़ी और सपाट जमीन, रणभूमि 3. स्वरग्राम, संगीत के सात स्वरों का समूह 6. धूल का कण, किसी वस्तु का सूक्ष्मकण, धूल 7. हिम्मत, सामर्थ्य 8. अभ्यर्थना, रिसेप्शन, यथा अवसर पर पूछे जाने वाला मंगल कुशल 9. आपस का करार, निबटारा 10. वरदान, दुल्हा 12. भोग, ऐश्वर्य 13. कीमत, मूल्य 14. एक वाद्ययंत्र जिसे सपेरे बजाते हैं 16. समता, बराबरी 18. अश्लील, बेहुदा, अभद्र, घटिया 19. युक्ति, उपाय, ढंग 20. रिक्त, अपूर्ण।

ऊपर से नीचे

1. दोस्ती, मित्रता 2. अच्छी शिक्षा, नेक सलाह 4. बचाव, हिफाजत 5. मीठापन, मधुर होने का भाव 7. समुद्र 8. आत्मनिर्भर, जो दूसरे पर आश्रित न हो 9. रसवाला, रसदार 11. मां का बच्चों के प्रति प्रेम 13. खैरात, देने की क्रिया 15. दृष्टि, निगाह 16. वरिष्ठ, बुजुर्ग, चतुर 17. पराजय, हार।

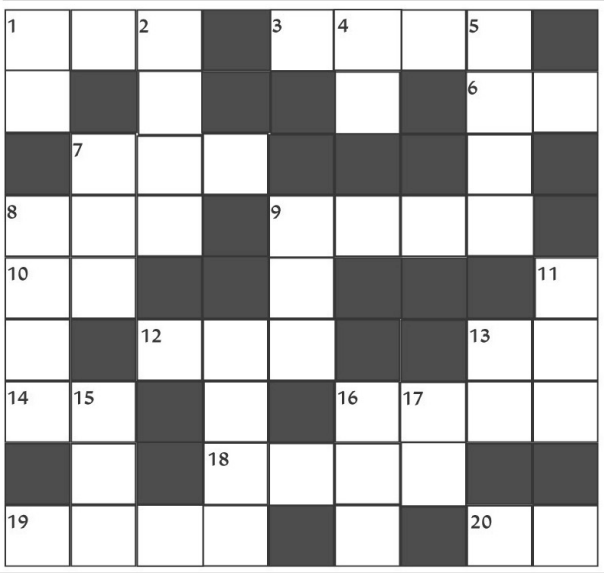

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 86 का हल

ला	लू	प्र	सा	द	या	द	व	
प		ति			र	क्ष	क	
र	ह	मा	न					आ
वा			मि	थु	न		दा	स
ह	वा	ला	त		सी	ता		पा
	न				ब	क	वा	स
औ	र	त		म		त		
ला		बे	च	ना		व	च	न
द	ह	ला		ना	ग	र		दी

वेब सीरीज मर्डर इन माहिम: आमने-सामने दिखे विजय राज और आशुतोष राणा

बॉलीवुड के दो दिग्गज कलाकार आशुतोष राणा और विजय राज जल्द ही फिजियोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर सीरीज मर्डर इन माहिम में मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे। आज शुक्रवार को जियो सिनेमा ने सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया, जिसे देख दर्शकों का उत्साह बढ़ गया। मर्डर इन माहिम को एक सामाजिक टिप्पणी माना जा रहा है, जो खौफनाक मर्डर मिस्ट्री और मुंबई की गुत्थी को उजागर करती है, जिसमें पीटर के रूप में आशुतोष राणा और जेंडे के किरदार में विजय राज के बीच खोई हुई दोस्ती के मेल-मिलाप को दिखाया गया है। राजनीति- बालाकोट और बियॉन्ड की रिकॉर्ड-तोड़ सफलता के एक हफ्ते के भीतर जियो सिनेमा एक और मूल सीरीज मर्डर इन माहिम लॉन्च किया। लेखक जेरी पिंटो की समीक्षकों द्वारा प्रशंसित पुस्तक से अनुकूलित मनोरंजक सीरीज राज आचार्य द्वारा निर्देशित है और टिपिंग प्वाइंट फिल्म्स और जिग्स पिक्चर्स द्वारा बनाई गई है। इसमें शिवानी रघुवंशी और शिवाजी साटम भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। माहिम स्टेशन पर एक भयानक हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित सीरीज में पीटर को इस भयावह जांच में उलझा हुआ दिखाया गया है। मुश्किलें तब बढ़ जाती हैं, जब उसका अपना बेटा सुनील इस मामले में संदिग्ध बन जाता है। इस सबके बीच पीटर और जेंडे गुप्त इच्छाओं, ब्लैकमेल और अनकहे प्यार की दुनिया में फंस जाते हैं, क्योंकि वे हत्यारे का पता लगाते हैं और रास्ते में अपने व्यक्तिगत दिक्कतों का सामना करते हैं। प्रत्येक रहस्य के खुलासे और मोड़ के साथ सीरीज एक नई रहस्य का जाल बन जा रही है। मर्डर इन माहिम में अपनी भूमिका पर टिप्पणी करते हुए आशुतोष राणा ने कहा, जब जटिल भूमिकाओं की बात आती है तो मैं सबसे अधिक उत्साहित होता हूं। पीटर एक ऐसा किरदार है। मेरी कोशिश हमेशा यही रहती है कि मैं कुछ अलग करूं, एक अलग लुक में और मर्डर इन माहिम ने मुझे वह अवसर दिया। हत्या की जांच की जटिलताओं के बीच पीटर के आंतरिक संघर्ष ने मुझे चरित्र में गहराई जोडने की अनुमति दी। यह सिर्फ एक गहन हत्या का रहस्य नहीं है, इसमें कई महत्वपूर्ण कथानक शामिल हैं, जो सामाजिक कलंक को दर्शाते हैं, जैसे जाति, लिंग और कामुकता के इर्द-गिर्द, दुर्लभ संवेदनशीलता के साथ यही इस शो की खूबसूरती है। वहीं, विजय राज ने भी सीरीज के बारे में बात करते हुए कहा, जेंडे के चरित्र का सबसे आकर्षक पहलू उनके व्यक्तित्व के विभिन्न रंग हैं। मेरा प्रयास इस चरित्र में एक मानवीय स्पर्श लाना था, जो जांच दृश्यों में स्पष्ट है, लेकिन साथ ही आक्रामकता भी है। व्यक्तिगत मोर्चे पर जो उनके परिवार के सामने आता है, इसलिए मेरे किरदार के भावनात्मक आर्क को उकेरना और भावनाओं की एक पूरी सीरीज को स्क्रीन पर लाना रोमांचक था। मर्डर इन माहिम जैसे शो में काम करना एक दुर्लभ अनुभव है। पूरी टीम ने इस शो में अपना दिल और आत्मा लगा दी है, उम्मीद है कि दर्शकों को इसे देखने में मजा आएगा। वेब सीरीज मर्डर इन माहिम 10 मई से जियो सिनेमा पर स्ट्रीम हुई है।

थिएटर के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई अजय देवगन की शैतान

अजय देवगन और आर माधवन स्टारर हॉरर फिल्म 'शैतान' ने थिएटर में खूब गर्दा उड़ाया। इस फिल्म ने अपने काले जादू से दो महीने तक बॉक्स ऑफिस को अपने वश में किये रखा और जमकर कारोबार किया। इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का भी दर्शकों को बेसब्री से इंतजार था। वहीं थिएट्रिकल रिलीज के लगभग दो महीने बाद फाइनली 'शैतान' ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे दी है। चलिए जानते हैं इस सुपरनेचुरल थ्रिलर को ओटीटी पर कब और कहां देख सकते हैं?

'शैतान' काले जादू और तंत्र मंत्र पर बेस्ड फिल्म है। इस हॉरर थ्रिलर की कहानी को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और इसने सिनेमाघरों में शानदार परफॉर्म किया था। वहीं थिएटरों में धमाल माचने के बाद फाइनली 'शैतान' ओटीटी पर रिलीज हो गई है। ये फिल्म दिग्गज प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर अवेलेबल है। शुक्रवार को, स्ट्रीमिंग दिग्गज ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर घोषणा की थी कि फिल्म शनिवार, 4 मई, 2024 को डिजिटल रिलीज हुई थी। फिल्म के एक पोस्टर के साथ, नेटफ्लिक्स इंडिया ने लिखा, घर के दरवाजे बंद रखना, कहीं शैतान ना आ जाए शैतान आधी रात को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करनी शुरू कर रहा है !यानी जो लोग 'शैतान' को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए थे, वे अब अपने घरों में आराम से फिल्म का मजा ले सकते हैं।

बता दें कि 'शैतान' सिनेमाघरों में 8 मार्च को रिलीज हुई थी। इसे जियो स्टूडियोज, देवगन फिल्म्स और पैनोरमा स्टूडियोज द्वारा प्रेजेंट किया गया था और इसका निर्माण अजय देवगन, ज्योति देशपांडे, कुमार मंगत पाठक और अभिषेक पाठक ने किया था। वहीं फिल्म का निर्देशन विकास बहल ने किया है। 'शैतान' एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है और ये गुजराती की हॉरर फिल्म वश की हिंदी रीमेक है। इस फिल्म में अजय देवगन, आर माधवन, ज्योतिका और जानकी बोदीवाला ने अहम रोल प्ले किया है।

शैतान में अजय देवगन ने फिर दृश्यम 2 के बाद एक प्रोटेक्टिव पिता के रोल में कमबैक किया था। इस फिल्म में अजय अपनी बेटी को बचाने के लिए शैतानी ताकतों से भिड़ जाते हैं। फिल्म में आर माधवन ने शैतान का किरदार निभाया है। माधवन ने अपने इस रोल से खूब लाइमलाइट बटोरी है।

जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की

बी-टाउन की खूबसूरत हसीना जाह्नवी कपूर अपने फैशन स्टेटमेंट्स और बोल्ड लुक्स के कारण चर्चाओं में बनी रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर पोस्ट होते ही बवाल मचा देता है। हाल ही में एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने लेटेस्ट ग्लैमरस फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस आहें भरते हुए नजर आ रहे हैं

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने हाल ही में अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका हॉटनेस भरा अंदाज देखकर लोग दीवाने हो गए हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने बेहद ही रिवीलिंग आउटफिट पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

जाह्नवी कपूर जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनकी फोटोज पर लाइक्स और कॉमेंट्स करते नहीं थकते हैं।

इन तस्वीरों एक यूजर ने कॉमेंट करते हुए लिखा- ये क्या बवाल है वहीं दूसरे यूजर ने लिखा है सो ब्यूटिफुल। फिर अन्य यूजर ने लिखा है- इतनी खूबसूरत, तीसरे यूजर ने लिखा यू लुक लाइक क्वीन।

बता दें एक्ट्रेस ट्रेडिशनल हो या फिर वेस्टर्न अपने हर लुक में कहर ढाती हैं। उनका हर एक लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। साथ ही लोग उन्हें फॉलो भी करते हैं।

जाह्नवी कपूर अपनी ग्लैमरस अदाओं से फैंस का ध्यान खींचना अच्छे से जानती हैं। और उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर बवाल मचा देता है।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। और आए दिन अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं।

धनुष की अपकमिंग फिल्म रायन का फैंस को बेसब्री से इंतजार

साउथ मेगास्टार धनुष की अपकमिंग फिल्म रायन का फैंस को बेसब्री से इंतजार है. यह फिल्म सिनेमाघरों में जून 2024 को रिलीज होगी. तब तक मेकर्स भी फैंस की एक्साइटमेंट को बरकरार रखने की पूरी कोशिश कर रहे हैं. अब हाल ही में मेकर्स ने फिल्म का फर्स्ट सिंगल अडंगाथा असुरन रिलीज कर दिया है. जो फैंस को काफी पसंद आ रहा है.

हाल ही में धनुष ने रायन का धांसू पोस्टर रिलीज करते हुए फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस की थी. इसके साथ ही उन्होंने बताया था कि फिल्म का फर्स्ट सिंगल 9 मई को रिलीज किया गया था. तभी से फैंस इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे. मेकर्स ने ऑफिशियली पोस्टर रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा था, अब डी वॉल्यूम बढ़ाने का टाइम आ गया है. रायन जून 2024 में सिनेमाघरों में आएगी. अब तक मेकर्स ने फैंस को बताया था कि रायन जून 2024 में रिलीज होगी. लेकिन फर्स्ट सिंगल के साथ ही मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी है. धलुष की रायन सिनेमाघरों में 13 जून 2024 को दस्तक देगी. मेकर्स ने फिल्म का पहला गाना रिलीज करते हुए कैप्शन लिखा, रायन का फर्स्ट सिंगल अडंगाथा असुरन आउट नाउ, रायन सिनेमाघरों में जून 2024 को आएगी.

परिणीति चोपड़ा की आवाज में रिलीज हुआ चमकीला का गाना तू क्या जाने

अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी फिल्म अमर सिंह चमकीला की सफलता का आनंद उठा रही हैंइम्तियाज अली के निर्देशन में बनी इस फिल्म में दिलजीत दोसांझ मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 12 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।अब निर्माताओं ने परिणीति की आवाज में अमर सिंह चमकीला का गाना जारी कर दिया है, जिसे सोशल मीडिया पर काफी प्यार मिल रहा है।इस गाने के बोल इरशाद कामिल ने लिखे हैं।

फिल्म में पंजाब के मशहूर गायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी को दिखाया गया है। यह पहली बार है जब इम्तियाज ने कोई बायोग्राफिकल ड्रामा फिल्म बनाई हो।अमर सिंह चमकीला पंजाब के मशहूर और विवादित गायकों में शुमार थे। उनकी जिंदगी के सारे अहम पड़ावों को फिल्म में दिखाया गया । अमर सिंह चमकीला वो पंजाबी सिंगर थे, जिन्होंने महज 20 साल की उम्र में अपने गानों से धूम मचा दी थी। बेहद कम ही समय में चमकीला ने अपने शानदार गानों की बदौलत दुनिया का दिल जीत लिया था। अपने करियर में अमर सिंह ने कई हिट गाने दिए थे। अमर सिंह फोक सिंगर थे।

उनके अपने छोटे से करियर में वो तरक्की पाई, जिसे पाने में लोगों की उम्र बीत जाती है। आपको बता दें कि चमकीला के गानों ने उस दौर में हाईएस्ट रिकॉर्ड सेलिंग का रिकॉर्ड बना डाला था। उनके गानों को आज भी पंजाब में काफी पसंद किया जाता है।

चमकीला का जन्म 1960 में पंजाब में हुआ था, लेकिन महज 27 साल की उम्र में वो इस दुनिया को अलविदा कह गए।

8 मार्च, 1988 के दिन कुछ अज्ञात हमलावरों ने अमर सिंह चमकीला की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। अमर सिंह के साथ उस वक्त उनकी पत्नी अमरजोत और उनके बैंड के दो लोग भी थे, जिनकी भी हत्या कर दी थी।

बता दें कि चमकीला मेहसमपुर, पंजाब में परफॉर्मेंस के लिए आ रहे थे। तभी तकरीबन 2 बजे अपनी गाड़ी से रवाना हुए थे, लेकिन अपनी गाड़ी से बाहद निकलते ही उन पर लगातार फाइरिंग कर उनकी हत्या कर दी गई।

विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही

प्रह्लाद सबनानी

1 मई, 2024 को अप्रैल, 2024 माह में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के संग्रहण से संबंधित जानकारी जारी की गई। माह अप्रैल 2024 के दौरान जीएसटी का संग्रहण पिछले सारे रिकार्ड तोड़ते हुए 2.1० लाख करोड़ रु पये के रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है, जो निश्चित ही, भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शा रहा है। वित्त वर्ष 2022 में जीएसटी का औसत कुल मासिक संग्रहण 1.2० लाख करोड़ रु पये रहा था, जो वित्त वर्ष 2023 में बढक़र 1.5० लाख करोड़ हो गया एवं वित्त वर्ष 2024 में 1.7० लाख करोड़ रु पये के स्तर को पार कर गया।

अब तो अप्रैल, 2024 में 2.1० लाख करोड़ रु पये के स्तर से भी आगे निकल गया है। इससे आभास हो रहा है कि देश के नागरिकों में आर्थिक नियमों के अनुपालन के प्रति रु चि बढ़ी है, अर्थव्यवस्था का तेजी से औपचारीकरण हो रहा है एवं भारत में आर्थिक विकास की दर तेज गति से आगे बढ़ रही है। भारत में वर्ष 2014 के पूर्व ऐसा समय था जब केंद्रीय नेतृत्व में नीतिगत फैसले लेने में हिचकिचाहट रहती थी और अर्थव्यवस्था विश्व की हिचकोले खाने वाली 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी, परंतु केवल 1० वर्ष पश्चात केंद्र में मजबूत नेतृत्व एवं मजबूत लोकतंत्र के चलते वर्ष 2024 में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है। आज भारत आर्थिक क्षेत्र में वैश्विक मंच पर नित रिकार्ड बना रहा है।

वैश्विक स्तर पर विदेशी प्रेषण के मामले में भारत प्रेषण प्राप्तकर्ता के रूप में प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। भारत में सबसे बड़ा सिंक्रोनाईजड बिजली ग्रिड है। बैंकिंग क्षेत्र में वास्तविक समय लेन देन की सबसे बड़ी संख्या आज भारत में ही संपन्न हो रही है। भारत विश्व में दूसरा सबसे बड़ा स्टील उत्पादक देश है एवं विश्व में मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता बन गया है। भारत में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सडक़ नेट्वर्क है। मात्रा की दृष्टि से भारत में विश्व का तीसरा सबसे बड़ा फार्मास्यूटिकल्स उद्योग है।

भारत में विश्व में तीसरा सबसे बड़ा मेट्रो नेट्वर्क है। भारत ने स्टार्टअप विकसित करने के उद्देश्य से विश्व का तीसरा सबसे बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र खड़ा कर लिया है। भारत का स्टॉक बाजार, पूंजीकरण के मामले में विश्व में चौथे स्थान पर आ गया है। भारत में विश्व का चौथा सबसे बड़ा रेल नेट्वर्क है। विश्व में पैटेंट के लिए आवेदन किए जाने वाले देशों में भारत छठे स्थान पर आ गया है। 1० वर्षों के दौरान शेयर बाजार में निवेशकों को अपार सफलता हासिल हुई है और सेंसेक्स ने 2०० प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की है। निफ्टी ने भी इसी अवधि में 2०6 प्रतिशत की रिकार्ड वृद्धि दर्ज की। यह स्थानीय एवं विदेशी निवेशकों का भारतीय अर्थव्यवस्था पर विश्वास जता रहा है। भारत में शेयर बाजार में व्यवहार करने के उद्देश्य से खोले जाने वाले डीमेट खातों की संख्या 2०14 में 2.2 करोड़ थी जो 2०24 में बढक़र 15.13 करोड़ हो गई है अर्थात 1० वर्षों में 7 गुणा से अधिक। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भी काफी सुधार हुआ है।

भारतीय नागरिकों में आज स्व का भाव जगाने में भी कामयाबी मिली है, जिसके चलते स्वदेश निर्मित वस्तुओं का उपयोग बढ़ रहा है एवं अन्य देशों से विभिन्न उत्पादों के आयात कम हो रहे हैं। इसके चलते भारत के विदेशी व्यापार घाटे में सुधार दृष्टिगोचर है। भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी मामूली वृद्धि दर्ज हो रही है। भारत में नागरिक का औसत जीवन 2०22 के 62.7 वर्ष से बढक़र 67.7 वर्ष हो गया है, जो स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के चलते ही संभव हो सका है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रतिवेदन के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय में पिछले 12 महीनों के दौरान 6.3 प्रतिशत की वृद्ध दर्ज हुई है। एक सर्वे के अनुसार, आज भारत में 36 प्रतिशत कंपनियां आगामी 3 माह में नई भर्तियां करने पर गंभीरता से विचार कर रही हैं, इससे में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होते दिखाई दे रहे हैं। गरीब वर्ग को भी केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ पहुंचाए जाने के भरसक प्रयास किए जा रहे हैं।

जल जीवन मिशन ने पूरे भारत में 75 प्रतिशत से अधिक घरों में नल के पानी का कनेक्शन प्रदान करके मील का पत्थर हासिल कर लिया है। लगभग 4 वर्षों के भीतर मिशन ने 2०19 में ग्रामीण नल कनेक्शन कवरेज को 3.23 करोड़ घरों से बढ़ाकर 14.5० करोड़ से अधिक घरों तक पहुंचा दिया गया है। पीएम आवास योजना के अंतर्गत ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में 4 करोड़ से अधिक पक्के मकान बनाए गए हैं। सौभाग्य योजना के अंतर्गत 2.8 करोड़ घरों का विद्युतीकरण कर लिया गया है। विश्व के सबसे बड़े सरकारी वित्त पोषित स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रम-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना-के अंतर्गत 55 करोड़ लाभार्थियों को माध्यमिक एवं तृतीयक देखभाल एवं अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार 5 लाख रुपये का बीमा कवर प्रदान किया जा रहा है।

पीएम गरीब कल्याण योजना के माध्यम से मुफ्त अनाज के मासिक वितरण से 8० करोड़ से अधिक परिवारों को लाभ प्राप्त हो रहा है। पीएम उज्जवल योजना के अंतर्गत 1० करोड़ से अधिक महिलाओं को मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। ये महिलाएं पहले लकड़ी जलाकर भोजन सामग्री तैयार कर पाती थीं और अपनी आंखों को खराब होते हुए देखती थीं। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत भी 12 करोड़ से अधिक शौचालयों का निर्माण कर महिलाओं की सुरक्षा एवं गरिमा को कायम रखा जा सका है।

जन धन खाता योजना के अंतर्गत 52 करोड़ से अधिक खाते खोलकर नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग पग्राली में लाया गया है। इससे वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिला है। देश भर में 11,००० से अधिक जनऔषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं, जो 5०-9० प्रतिशत रियायती दरों पर आवश्यक दवाएं प्रदान कर रहे हैं। कहा जा सकता है कि भारत आर्थिक क्षेत्र में विश्व में चमकते सितारे के रूप में दिखाई दे रहा है एवं अपनी विकास दर को 1० प्रतिशत के ऊपर ले जाने के भरसक प्रयास कर रहा है। इससे निश्चित ही भारत शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं इसके बाद 2०27 तक विकसित राष्ट्र भी बन जाएगा।

खाने में पोषण की कमी से नहीं आती है नींद

एक अध्ययन में कहा गया है कि दिनभर की थकान के बाद भी अगर आपको नींद नहीं आती है तो हो सकता है कि आपके खाने में पोषण की कमी हो। अपनी थाली में मिनरल और विटमिन वाली चीजें शामिल करके आप इस समस्या से निजात पा सकते हैं। पोषण की कमी आपके नींद पर भी असर डालती है। आपको नींद न आने की वजह आपमें पोषण की कमी हो सकती है।

अध्ययन में यह भी सामने आया पुरुषों के मुकाबले महिलाओं की नींद के लिए ज्यादा पोषक तत्व जिम्मेदार हैं। हालांकि, वे डायटरी सप्लिमेंट्स लेकर यह कमी पूरी कर सकती हैं। लीड रिसर्चर चीयोमा इकोंटे ने बताया कि इस रिसर्च से पता चलता है कि आप अपने खाने में पोषण की कमी को पूरा करके नींद न आने की समस्या को दूर कर सकते हैं। पोषण का संबंध आपके सोने के घंटो के अलावा, कमजोर नींद और जागने की समस्या से भी है। हमारे शरीर को विटमिन और मिनरल की जरूरत होती है लेकिन ये हमारे शरीर में नहीं बनते हैं। इसलिए हमें इन्हें अपने डायट में शामिल करना जरूरी है। दुनिया भर में अरबों लोग किसी न किसी एक विटमिन की कमी का शिकार हैं।

सू- दोकू क्र. 87

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.86 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

सरकार सजग और जनता जागरुक बने

सुषमा गौर

ताइवान ने पिछले पच्चीस साल में आए सबसे तेज भूकंप का सामना किया। निश्चित रूप से भूकंप से हमारे संरचनात्मक विकास सड़क, पुल व सार्वजनिक निर्माण को क्षति पहुंचती है। लेकिन ताइवान ने पिछले भूकंपों से हुई मानवीय त्रासदी से सबक लेकर जिस तरह जनधन की हानि को कम किया है, वह काबिले तारीफ है। इस भूकंप में गिनती के लोगों को जान गंवानी पड़ी। बड़ी बिल्डिंगें हिली मगर क्षति मामूली हुई। दरअसल, ताइवान ने आधुनिक तकनीक व कुशल अग्रिम सूचना की व्यवस्था से आपदा से होने वाली क्षति को टाला है। भूकंप के केंद्र उत्तरी तट पर स्थित ख्वालिएन में 7.4 तीव्रता के भूकंप से क्षति स्वाभाविक थी, लेकिन सुनियोजित राहत व बचाव से जनक्षति को कम किया जा सका। सुरंगों व इमारतों में फंसे लोगों को बचाने का काम तत्परता से किया जा रहा है। जहां तक इस पहाड़ी इलाके में भूस्खलन का सवाल है तो मानव उसे टाल नहीं सकता। भूकंप से बचाव के ताइवानी सिस्टम बेहतर ढंग से काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर जापान आदि पड़ोसी देशों ने भूकंप के बाद सुनामी की अग्रिम सुरक्षा चेतावनी जारी कर दी। दरअसल भूकंप से होने वाली क्षति इस बात पर निर्भर करती है वह किस समय आया। बुधवार को आया भूकंप सुबह आया, यदि यह देर रात या तड़के आता तो क्षति ज्यादा हो सकती थी। यद्यपि ताइवान में भी सड़क व रेल परिवहन प्रभावित जरूर हुआ है। दरअसल, सितंबर 1999 में ताइवान में आए 7.6 तीव्रता के भूकंप में करीब ढाई हजार लोगों की मौत हुई थी और करीब पांच हजार इमारतें क्षतिग्रस्त हुई थीं। जिसके बाद वहां भवन व सार्वजनिक निर्माण में सुरक्षा मानकों को गंभीरता से लिया गया। इन मानकों का पालन अनिवार्य रूप से किया गया और सख्ती से उसकी निगरानी की गई। सरकारों की सजगता व नागरिकों की जागरूकता ने इस संकट का मुकाबला करना सीख लिया। वहीं हमारे सामने जापान दुनिया का अकेला ऐसा देश है जो इतने बड़े भूकंपों के बाद नुकसान कम करने में सफल रहा।

दरअसल, मनुष्य को भूकंप से ज्यादा हमारे निर्माण कार्य की गुणवत्ता की कमी और नियमों की अनदेखी मारती है। भारत में भूकंप से बचाव के लिये पर्याप्त अनुसंधान हुए और सुरक्षित घरों के लिये कोड बने हैं। लेकिन संकट उनके ईमानदारी से क्रियान्वयन तथा आर्थिक संसाधनों के अभाव का है। घर खरीदने वाले लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने वाले बिल्डर इन मानकों का इस्तेमाल करने से गुरेज करते हैं क्योंकि इसे लागू करने से उनका मुनाफा कम हो जाता है। गरीब व्यक्ति जैसे-तैसे मकान तो बना लेता है लेकिन भूकंप के मानकों का इस्तेमाल नहीं कर पाता। सरकारी गंभीरता भी नजर नहीं आती। सरकारों की प्राथमिकता आपदा के बाद राहत सामग्री व मुआवजा बांटने में होती है। समय रहते भवन निर्माण में भूकंप से बचाव के कोड लागू करवाने में संबंधित विभाग लगातार आपराधिक लापरवाही दर्शाते रहते हैं। हमें जापान से सबक लेना चाहिए जिसने भूकंप के साथ जीना सीख लिया है। वर्ष 2०11 में भयावह नौ तीव्रता के भूकंप से जो तबाही हुई और उसके बाद सुनामी ने कहर बरपाया, उसके बाद जापान सरकार ने जनक्षति टालने के लिये गंभीर पहल की। इशिकावा की तबाही व फुकुशिमा की पॉवर प्लांट दुर्घटना के सबकों को जापान ने गंभीरता से लिया। आज भूकंप के अलार्म की चेतावानियां जापानियों के लिये आम बात है। हम मान लें कि बड़ा भूकंप कभी भी आ सकता है तो क्या हमारी इमारतें इसके लिये सुरक्षित हैं? जापान ने 2०11 की त्रासदी के बाद भूकंपपरोधी निर्माण में कोई चूक नहीं की। वैसे तो वहां 1981 के बाद भवन निर्माण में सुरक्षा मानकों को अनिवार्य कर दिया गया था, लेकिन बाद के अनुभवों के साथ इन मानकों में लगातार सुधार भी किया गया। यही वजह थी कि इशिकावा के तेज भूकंप के बाद अधिकांश इमारतें सुरक्षित रहीं। जापान ने याद रखा कि कांतो भूकंप के बाद इस शहर का बड़ा हिस्सा समतल हो गया था। जिसके बाद पहले भूकंप प्रतिरोधी बिल्डिंग कोड बनाया गया। फिर भवन निर्माण में स्टील व कंक्रीट का प्रयोग अनिवार्य हो गया। हर नये भूकंप के बाद नियम बदले जाते हैं।

दो वाहन चोर गिरफ्तार, बाइक बरामद

हमारे संवाददाता

नैनीताल। बाइक चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुरायी गयी बाइक भी बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती 20 मई को सौरभ आर्या पुत्र रंजीत राम हाल निवासी पनियाली मुखानी द्वारा थाना मुखानी पर तहरीर देते हुए बताया कि उनकी बाइक किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चुरा ली गयी है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद बीती शाम दो लोगों को कमलवागांजा बृजवाजी स्कूल के आगे से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चुराई गई बाइक बरामद कर ली है। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम रोहित शाह पुत्र विजय कुमार शाह निवासी ब्लाँक थाने के सामने मुखानी जनपद नैनीताल व अभिनव कुमार पुत्र नारायण सिंह बाराही विहार निकट गुरूकुल स्कूल कमलुवांगाजा गौड़ थाना मुखानी जनपद नैनीताल बताया। पुलिस ने उन्हे न्यायालय मे पेश कर जेल भेज दिया है।

हत्या मामले में फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चमोली। थाना थराली क्षेत्रांर्तगत हुई हत्या मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर उसका रिमाड मांगा गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 10 मई को भवनराम पुत्र भजनराम निवासी ग्राम एरेठा देवाल द्वारा थाना थराली में तहरीर देकर बताया गया था कि उसके पिता भजनराम की 6 मई को महेन्द्र सिह द्वारा हत्या कर दी गयी थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर हत्यारोपी की तलाश शुरू कर दी गयी। जिस पर पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद एक सूचना के तहत बीते रोज हत्यारोपी महेन्द्र सिंह रावत पुत्र दलीप सिंह को उसके घर ग्राम मौडा से गिरफ्तार कर लिया गया। हत्यारोपी महेन्द्र द्वारा पूछताछ में अपना जुर्म कबूल किया गया। जिसे पुलिस ने न्यायालय में पेश कर उसका रिमाण्ड मांगा गया है।

नोटिस चस्पा करने गयी निगम टीम के साथ मारपीट

संवाददाता

देहरादून। नोटिस चस्पा करने गयी नगर निगम की टीम पर हमला करने वाले एक ही परिवार के चार लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर निगम के कर्मचारी रोहित कुमार ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि गणेश विहार निवासी अशोक पुत्र बारूमल एवम उसके भाई सुनील के मध्य सीवर लाईन मे पाईप कलेक्शन को लेकर पूर्व से विवाद चल रहा है दोनो पक्ष आये दिन एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप एवम प्रार्थना पत्र देते रहते है। आज नगर निगम की टीम जिसमे सफाई नायक रोहित कुमार तथा कर्मचारी रोहित एव ओमपाल सफाई कार्य करने गये तथा नगर निगम द्वारा दोनो भाईयो के विरूद्ध की गयी चालानी कार्यवाही से सम्बन्धित चालान को चस्पा करने हेतु जैसे ही गेट पर पहुंचे तो पहले अशोक कुमार तथा उसकी माँ बालादेवी द्वारा गाली गलौच की गयी तथा थोडी देर में सुनील पुत्र बारूमल तथा सुनील की पत्नि द्वारा भी छत से नीचे आकर गाली गलौच करते हुए नगर निगम टीम के साथ धक्का मुक्की की गयी तथा चस्पा करने हेतु टीम के हाथ मे पकडे चालान को छीन कर फाड दिया तथा जान से मारने की धमकी देते हुऐ कहा की अगर दोबारा यहाँ आये तो जिन्दा वापस नही जाओगे। कर्मचारी रोहित द्वारा पुलिस को भी 112 पर उक्त बाबत सुचित किया गया पुलिस मौके पर आयी तथा मौका पाकर सुनिल तथा उसकी पत्नि भाग गये पुलिस द्वारा अशोक एवम उसकी माता को चौकी बाईपास पर आने को कहा गया यहाँ भी वे दोनो लगातार नगर निगम टीम से गाली गलौच करने पर आमदा है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मलिन बस्तियों पर सियासी संग्राम... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

उल्लेखनीय है कि राजधानी दून में 584 अनियमित ऐसी बस्तियां हैं जिनमें लाखों की संख्या में लोग रहते हैं। 2018 में हाईकोर्ट के आदेश के बाद इन बस्तियों को हटाने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन सरकार द्वारा हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अध्यादेश लाकर इस स्थिति को टाल दिया गया था लेकिन सरकार द्वारा इस समस्या का कोई ठोस समाधान अभी तक नहीं निकाला जा सका है। 3 साल में दो बार अध्यादेश के जरिए इन बस्तियों की सुरक्षा करने वाली सरकार अब क्या करेगी जब राहत की समय सीमा 21 अक्टूबर को समाप्त होने वाली है। इसका कोई जवाब सरकार नहीं ढूंढ़ पा रही है। कांग्रेस का कहना है कि 2016 में उसके द्वारा इन बस्तियों को नियमित करने व मालिकाना हक देने की प्रक्रिया शुरू की गई थी लेकिन सरकार जाने के कारण यह नहीं हो सका। एनजीटी द्वारा अब लाल निशान लगाने व घरों को तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है तो भाजपा और कांग्रेस फिर से इन बस्तियों के रहनुमा बनकर सामने खड़े हैं लेकिन इस समस्या का स्थाई समाधान किसी के पास नहीं है बस वोट की राजनीति ही की जा रही है।

नियमितीकरण की मांग को लेकर 3 हजार हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा

संवाददाता

देहरादून। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने मलिन बस्तियों के नियमितीकरण की मांग को लेकर तीन हजार हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को प्रेषित किया।

आज यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने मलिन बस्तियों के नियमितीकरण तथा बस्तियों के ध्वस्तीकरण के खिलाफ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने मलिन बस्तियों से हस्ताक्षर अभियान में एकत्र लगभग 3 हजार हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। ज्ञापन जिला मुख्यालय में तैनात उपजिलाधिकारी शालिनी नेगी ने लिया तथा उन्होंने आश्वासन दिया कि वे पार्टी के मांगपत्र को मुख्यमंत्री को प्रेषित करेंगे। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि अपने ही वादों के अनुसार सरकार तुरंत बेदखली की प्रक्रिया पर रोक लगाए। कोई भी बेघर न हो, इसके लिए या तो सरकार अध्यादेश द्वारा कानूनी संशोधन करे या कोर्ट के आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में जाये। इसके साथ ही 2018 का अधिनियम में संशोधन कर जब तक नियमितीकरण और पुनर्वास की प्रक्रिया पूरी नहीं होगी , और जब तक मजदूरों के रहने के लिए स्थायी व्यवस्था नहीं बनती, तब तक बस्तियों को हटाने पर रोक लगे। दिल्ली सरकार की पुनर्वास नीति को उत्तराखंड में भी लागू किया जाये। उन्होंने कहा कि राज्य के शहरों में उचित संख्या के वेंडिंग जोन को घोषित किया जाये। पर्वतीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वन अधिकार कानून पर अमल युद्धस्तर पर किया जाये। बड़े बिल्डरों एवं सरकारी विभागों के अतिक्रमण पर पहले कार्यवाही की जाये। एलिवेटेड रोड़ के नाम पर रिस्पना तथा विन्दाल नदी घ्बसी बस्तियों को उजाड़ना बन्द हो।

ज्ञापन देने वालों में पार्टी जिला सचिव राजेन्द्र पुरोहित, देहरादून सचिव अनन्त आकाश, सचिव मण्डल सदस्य लेखराज, किशन गुनियाल, शम्भू प्रसाद ममगाई, पार्टी नेता रामसिंह भण्डारी, रविंद्र नौडियाल आदि शामिल थे।

संबित पात्रा के बयान से ब्राह्मण महासभा नाराज, मुकदमा दर्ज करने को दी तहरीर

संवाददाता

देहरादून। संबित पात्रा के बयान से नाराज अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा ने सीओ सदर से मिलकर पात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए तहरीर दी।

आज यहां अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड के पदाधिकारी सीओ सदर अनिल जोशी से उनके कार्यालय में मिले जहां पर उन्होंने संबित पात्रा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया। उन्होंने कहा कि संबित पात्रा के दिए गए बयान पर जल्द एफ आई आर रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए क्योंकि संबित पात्रा ने अपने बयान में कहा है कि भगवान जगन्नाथ मोदी के भक्त हैं। आज मोदी को भगवान बनाकर और जगन्नाथ जी को भक्त बनकर बयान किया है। संबित पात्रा के खिलाफ जल्द से जल्द एफ आई आर होनी चाहिए और संबित पात्रा का मनो वैज्ञानिक चिकित्सक से जांच करवाई जाए जिससे बड़ बोले बयानों पर रोकथाम की जा सके। उन्होंने कहा कि जल्द से जल्द संबित पात्रा के खिलाफ कार्रवाई करें और संबित पात्रा का डॉक्टर से दिमाग का इलाज भी करवाया जाए। जब भी संबित पात्रा देहरादून में आएंगे तो अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा उत्तराखंड काले झंडे दिखाएंगे काले झंडे दिखाएंगे। महासभा रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करती है। तहरीर देने वालों मे प्रमुख मनमोहन शर्मा अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, संरक्षक लालचंद शर्मा, शशि शर्मा, पीयूष गॉड, राष्ट्रीय ब्राह्मण समाज अध्यक्ष सोमदत शर्मा, प्रवक्ता अरुण शर्मा, संजय कला, बी डी जुआल, प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

मल्लिकार्जुन स्कूल के टॉपर्स हुए सम्मानित, मिला जिपस पुरस्कार 2023

संवाददाता

धारचूला। मल्लिकार्जुन स्कूल के टॉपर्स छात्रों को जिला पंचायत पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया गया।

आज यहां सामुदायिक पुस्तकालय द्वारा मल्लिकार्जुन स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों को अपने कक्षा में टॉपर्स आने पर जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को आमंत्रण दिया गया कि वे अपने करियर को बनाने के लिए सामुदायिक पुस्तकालय तथा संडे क्लास हेतु अपना नामांकन करें। मल्लिकार्जुन स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया।

इस अवसर पर कक्षा एक के टॉपर्स माही धामी, कक्षा 2 के टॉपर्स परितार्थ बिष्ट, कक्षा तीन के टॉपर नंदिता पौरी, कक्षा चार के टॉपर अभिनव सिंह, कक्षा चार की टॉपर उमेश सिंह ततवाल, कक्षा 5 के टॉपर प्रिंस बिष्ट, कक्षा 7 की टॉपर्स आदित्य सिंह चौहान, कक्षा 8 के टॉपर्स जगदीश सिंह गुंज्याल, कक्षा 9 के टॉपर्स हर्षित राणा, कक्षा 10 के टॉपर्स अनुज कुंवर,कक्षा 11 के टॉपर्स प्रियांशु धामी, कक्षा 12 के साइंस टॉपर्स ओम बम, कॉमर्स टॉपर्स हर्षित सिंह, आर्ट्स की टॉपर्स कशिश धामी को जिला पंचायत सदस्य पुरस्कार 2023 के रूप में प्रशस्ति पत्र तथा डिक्शनरी दी गई।

जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि धारचूला नगर में एक जुलाई से ओपन होने वाले सामुदायिक पुस्तकालय यहां के विद्यार्थियों के लिए करियर का एक नया केंद्र बनकर उभरेगा। उन्होंने कहा कि सामुदायिक पुस्तकालय में वर्ष भर विद्यार्थियों के साथ करियर पर कार्य करेगा। इसके लिए स्थानीय स्तर पर विद्वान शिक्षकों की एक समिति भी बनाई जा रही है।

एक नजर

भाजपा ने पवन सिंह को पार्टी से किया निष्कासित

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने भोजपुरी अभिनेता से नेता बने पवन सिंह को बिहार की काराकाट लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार उपेंद्र कुशवाहा के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने के लिए निष्कासित कर दिया है। सिंह ने 9 मई को अपना नामांकन दाखिल किया, जिससे काराकाट से उनकी उम्मीदवारी को लेकर हफ्तों से चल रही अटकलें खत्म हो गईं। काराकाट में 1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें और आखिरी चरण में मतदान होगा। पवन सिंह एक भारतीय राजनीतिज्ञ, पार्श्व गायक, अभिनेता, संगीतकार, मंच कलाकार हैं।

वह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्हें भोजपुरी फिल्म उद्योग में सर्वश्रेष्ठ गायकों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत पर्दे के पीछे काम करके, संगीत समारोहों में हारमोनियम बजाकर की। उन्हें दो अंतर्राष्ट्रीय भोजपुरी फिल्म पुरस्कार मिल चुके हैं। अपने प्रशंसकों द्वारा पावरस्टार कहे जाने वाले सिंह को प्रतिज्ञा, सत्या, क्रैक फाइटर, राजा, शेर सिंह, मेरा भारत महान, हर हर गंगे आदि फिल्मों के लिए जाना जाता है। भाजपा ने उन्हें आसनसोल लोकसभा क्षेत्र के लिए 2024 के भारतीय आम चुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में घोषित किया, लेकिन सिंह ने वहां से चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। बाद में उन्होंने काराकाट लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने का फैसला किया।

राहुल गांधी को रांची की कोर्ट ने 11 जून को पेश होने का दिया आदेश

रांची। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी के एक मामले में रांची की एमपी एमएलए अदालत ने समन जारी किया है। जानकारी के अनुसार अदालत ने राहुल गांधी को आदेश दिया है कि वो इस मामले में 11 जून को पेश होकर अपना पक्ष रखें। भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा द्वारा दायर मामले के अनुसार कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने साल 2018 में कांग्रेक की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम में भाजपा के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए कहा था कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो एक हत्यारे को राष्ट्रीय अध्यक्ष बना सकती है। राहुल गांधी की इस टिप्पणी के बाद भाजपा कार्यकर्ता नवीन झा ने राहुल गांधी के खिलाफ केस किया और मामले को रांची एमपी एमएलए कोर्ट में ले गये। जिसने पहले भी राहुल गांधी के खिलाफ समन जारी किया था। कांग्रेस नेता ने समन को चुनौती देते हुए राहत के लिए झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन उन्हें वहां से कोई मदद नहीं मिली।

संजय दत्त ने 'वेलकमः टू द जंगल' फिल्म को बीच में ही छोड़ा

मुंबई। संजय दत्त से जुड़ी बहुत बड़ी खबर सामने आ रही है। कहा जा रहा है कि संजय दत्त ने अहमद खान के निर्देशन में बन रही वेलकमः टू द जंगल को बीच में ही छोड़ दिया है। अभी तक आधिकारिक तौर पर इस बात की पुष्टि तो नहीं हुई है, लेकिन सूत्र ने इसके पीछे का कारण जरूर बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, डेट और स्क्रिप्ट में किए गए बदलावों की वजह से संजय दत्त ने इस फिल्म को छोड़ने का फैसला लिया है। कहा जा रहा है कि संजय दत्त ने फिल्म छोड़ने से पहले अक्षय कुमार से बात की थी। संजय दत्त ने अक्षय के सामने अनप्लान्ड शूटिंग शेड्यूल और स्क्रिप्ट में किए गए बदलावों पर निराशा व्यक्त की और फिर फिल्म छोड़ने का फैसला लिया। रिपोर्ट के मुताबिक, अब मेकर्स दुविधा में पड़ गए हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वह संजय दत्त द्वारा शूट किए गए सीन्स को फिल्म में रखें या फिर नए एक्टर के साथ एक बार फिर सारे सीन्स शूट करें। कहा जा रहा है कि अभी ज्यादातर लोग इस बात पर सहमत हुए हैं कि संजय दत्त द्वारा शूट किए गए सीन्स को फिल्म में रखा जाए और कहानी में थोड़ा बदलाव कर दिया जाए। हालांकि अभी तक कुछ भी फाइनल नहीं हुआ है। 'वेलकम टू द जंगल' में संजय दत्त और अक्षय कुमार के अलावा जैकलीन फर्नांडीज, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, परेश रावल और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म क्रिसमस 2024 में रिलीज होने वाली है।

चारधाम यात्राः हालातों को संभालने के लिए आईजी को सौंपी जिम्मेदारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ के चलते हालात बिगड़ते जा रहे हैं। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम में श्रद्धालुओं के आने का सिलसिला लगातार जारी है. ऐसे में दोनों धामों में सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रखना राज्य सरकार के लिए चुनौती है, इसलिए आईजी अरुण मोहन जोशी को गंगोत्री और यमुनोत्री धाम की व्यवस्थाओं को संभालने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

राज्य सरकार ने आईजी अरुण मोहन जोशी को गंगोत्री और यमुनोत्री में भीड़ को नियंत्रित करने, जाम की समस्या और पार्किंग के साथ-साथ यात्रियों से अच्छा व्यवहार हो, इसकी जिम्मेदारी सौंपी है। दरअसल आईजी अरुण मोहन जोशी को इस व्यवस्था में इसलिए लगाया गया है, क्योंकि उनके पास बड़े मेलों को सकुशल संपन्न कराने का अनुभव है।

पुलिस विभाग ने अरुण मोहन जोशी को गंगोत्री और यमुनोत्री जैसे महत्वपूर्ण टास्क की जिम्मेदारी दी है। जिसके तहत उन्होंने गंगोत्री और यमुनोत्री का दो दिवसीय दौरा किया था। वापस लौटने के बाद उन्होंने राज्य सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, इस रिपोर्ट में बताया गया है कि कैसे आने वाले दिनों में या आने वाले सालों में हम यात्रियों को सकुशल यात्रा करवा सकते हैं। दोनों धामों में भीड़ के मैनेजमेंट को लेकर किस स्तर पर काम किया जा सकता है, इसको लेकर भी अरुण मोहन जोशी ने कई तरह की बातें और सुझाव दिए हैं। साथ ही पैदल मार्ग पर घोड़ा-खच्चर, डंडी कंडी व्यवस्था और उत्तरकाशी से लेकर गंगोत्री और यमुनोत्री तक किन-किन जगहों पर पार्किंग और यात्रियों के रुकने की व्यवस्था हो सकती है, इसको लेकर भी कई तरह के सुझाव अपनी रिपोर्ट में दिए हैं. राज्य सरकार जल्द ही इस रिपोर्ट को धरातल पर उतारने की कोशिश करेगी।

आईजी अरुण मोहन जोशी ने बताया कि उन्होंने गंगोत्री और यमुनोत्री में तमाम व्यवस्थाओं को देखा है और यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं से उन्होंने बात भी की है। भीड़ अधिक होने की वजह से कुछ व्यवस्था और बनाई गई हैं और आने वाले दिनों में यात्रा और भी बेहतर तरीके से चलेगी।

यात्रा मार्ग पर बढ़ते दबाव के चलते श्रद्धालुओं को भेजा जा रहा है कतारबद्ध

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। श्री केदारधाम यात्रा पर आये श्रद्धालुओं के बढ़ते दबाव के चलते अब पुलिस द्वारा उनको कतारबद्ध तरीके से भेजा जा रहा है। जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

बता दें कि श्री केदारनाथ धाम हेतु अत्यधिक संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं, गत दिवस रिकार्ड 38 हजार से अधिक संख्या में श्रद्धालु केदारनाथ धाम पहुंचे हैं और कपाट खुलने से आज तक की स्थिति में साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं। श्री केदारनाथ धाम हेतु आ रहे श्रद्धालुओं एवं यात्री वाहनों का दबाव सोनप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत पड़ रहा है। ऐसे में सोनप्रयाग तक पहुंचे श्रद्धालुओं को पुलिस के स्तर से कतारबद्ध कराते हुए सोनप्रयाग शटल पार्किंग तक भिजवाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की कुशलक्षेम पूछकर हौसला अफजाई की जा रही है।

अवैध खनन तस्करी में लिप्त 4 डम्पर सीज

हमारे संवाददाता

चमोली। अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए पुलिस ने चार डम्परों को सीज कर दिया है। जिनके खिलाफ अग्रिम कार्यवाही जारी है।

पुलिस अधीक्षक चमोली, सर्वेश पंवार द्वारा समस्त थाना प्रभारियों को अपने थाना क्षेत्र में अवैध खनन तस्करी की रोकथाम तथा खनन माफियाओं पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। इस क्रम में थाना थराली पुलिस द्वारा चौकी नारायणबगड़ क्षेत्र में आरबीएम परिवहन कर रहें 4 डम्परों की चैकिंग की गयी तो वाहन चालकों द्वारा अवैध आरबीएम परिवहन करने एवं वाहन सम्बन्धी कोई वैध कागजात न दिखाने दिखाने पर उक्त चारों वाहनों को मोटर

वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए सीज किया गया। जिसकी अवैध खनन से सम्बन्धित रिपोर्ट उपजिलाधिकारी को प्रेषित की जा रही है। जिन डम्परों को सीज किया गया है उनके चालकों के नाम कुंदन सिंह बिष्ट पुत्र नंदन सिंह बिस्ट निवासी ग्राम भ्याडी थाना थराली जिला चमोली, अजय सिंह पुत्र बलवंत सिंह निवासी ग्राम कुलसारी थाना थराली जिला चमोली, प्रकाश चंद पुत्र गोपीराम निवासी ग्राम जवारकोट थाना थराली जिला चमोली व दिगंबर प्रसाद पुत्र भीमराम जोशी निवासी ग्राम छैकुडा पोस्ट नारायण बगड़ थाना थराली जिला चमोली बताये जा रहे है।

स्कूटी की टक्कर से ऑटो चालक की मौत

संवाददाता

देहरादून। स्कूटी की टक्कर से ऑटो चालक की मौत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ढालवाला मुनिकी रेती निवासी बाबूराम झा अपने ऑटो से आवास विकास की तरफ से आ रहा था जब वह मोदी भवन के पास पहुंचा तभी एक स्कूटी चालक ने तेजी से आते हुए ऑटो पर टक्कर मार दी। जिससे ऑटो पलट गया और बाबूराम गम्भीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसको अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मृतक के पुत्र सुमित की तहरीर पर स्कूटी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।